Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 24 , शुक्रवार, 16 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

इलाहाबाद: महादेवी के घर पर अब निकला वॉटर टैक्स का बकाया

इलाहाबाद (एजेंसी)। कवयित्री महादेवी वर्मा के नेवादा अशोकनगर स्थित मकान पर 11925 रुपये जलकर का भी बकाया है। हालांकि जलकल विभाग ने नगर निगम की तरह कवयित्री के मकान में रहने वालों को बकाये पर नोटिस जारी नहीं किया है। विभाग के अफ्सरों से बात की तो कवयित्री के मकान पर तीन साल के जलकर बकाये की बात सामने आई। अफ्सरों के मुताबिक, कवयित्री के मकान में रहने वाले तीन साल से जलकर जमा नहीं कर रहे हैं। उससे पहले नियमित जलकर जमा होता था। गौरतलब है कि महादेवी के मकान पर 48 हजार रुपये से अधिक गृहकर बकाए का मामला पिछले हफ्ते प्रकाश में आया। इसके बाद जलकल विभाग ने भी मकान पर जलकर बकाए की छानबीन की तो तीन साल का जलकर बकाये का पता चला। जलकल विभाग के सचिव आरडी यादव कहते हैं कि जलकर बकाए पर नोटिस भेजने की कोई योजना नहीं है। सचिव के मुताबिक, पूरे प्रकरण पर नजर रखी जा रही है। नगर निगम के फैसले का जलकल विभाग भी फॉलो करेगा।

दिल्ली में संपत्तियों की गैर-कानूनी रजिस्ट्री आम : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक संपत्तियों की आवासीय संपत्ति के रूप में रजिस्ट्री आम बात हो गई है। न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। याचिका में रजिस्ट्री कार्यालयों में बहुत अधिक पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाया गया है। याचिका में इस मामले की सीबीआई या एसआईटी से जांच कराने की मांग की गई है। इस पीआईएल पर सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने कहा, ''क्या यह आम बात नहीं हो गयी है? न्यायालय ने दिल्ली सरकार, उसके राजस्व, सेवा और सतर्कता विभागों, भष्टाचार निरोधी शाखा, सीबीआई और लेखा नियंत्रक को एक अधिवक्ता द्वारा लगाये गए आरोपों पर अपना पक्ष रखने को कहा है।

नुक्कड़ नाटकों से ''रेप रोको' आंदोलन का प्रचार कर रहा डीसीडब्ल्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) नुक्कड़ नाटकों के जरिए जनता को जागरूक कर ''रेप रोको' आंदोलन से जोड़ रहा है। नाट्य संस्था अस्मिता थियेटर ग्रुप तथा छात्रों के साथ मिलकर डीसीडब्ल्यू दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक आयोजित कर बीच-बीच में पत्रे बांटकर लोगों को ''रेप रोको' आंदोलन की जानकारी देता है और उनसे प्रधानमंत्री को भेजे जाने वाले पत्र पर हस्ताक्षर भी करवाता है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति जयहिंद ने बताया कि मंगलवार से शुरू हुए ''रेप रोको' आंदोलन के तहत डिफेंस कॉलोनी मार्केट, भाटी माइंस बस स्टैंड, मैदान गढ़ी, प्रिया सिनेमा, हौज काजी और करोल बाग मेट्रो स्टेशन पर छह 6 नुक्कड़ नाटक आयोजित कर आयोग तक अब तक सैकड़ों पत्रों पर लोगों के हस्ताक्षर ले चुका है।

13 संपत्तियों पर लगे ताले

नई दिल्ली (एजेंसी)। आनंद विहार इलाके में निगम की तीसरे दिन भी रिहायशी इलाके में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई जारी रही। शाम तक चली कार्रवाई के दौरान निगम ने आनंद विहार और जागृति एन्क्लेव में 13 संपत्तियों पर सीलिंग की कार्रवाई की। इस दौरान भारी संख्या में सीआरपीएफ, बीएसएफ और दिल्ली पुलिस के एसएचओ समेत कई पुलिसकर्मी मौजूद थे। शाहदरा साउथ जोन भवन विभाग के अधिकारी पुलिस बल के साथ आनंद विहार और जागृति एन्क्लेव के रिहायशी इलाके में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंचे। जागृति एन्क्लेव और आनंद विहार में चल रही स्पा, ब्यूटी पार्लर, बार, रेस्टोरेंट के साथ-साथ स्वीट्स शॉप पर सीलिंग की कार्रवाई की गई।

>>>> पीएनबी स्कैम:

देश छोड़ चुके हैं नीरव, पैसे लौटाने की पेशकश की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक में 11500 करोड़ रुपये के महाघोटाले के बाद बैंक के एमडी सुनील मेहता ने आज सफाई दी। उन्होंने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक साफ बैंकिंग प्रतिबद्ध हैं। 2011 से चले आ रहे इस घोटाले को हमने खुद पकड़ा और जांच एजेंसियों के पास गए। मामले में संलिप्त बैंक के स्टाफ को भी हमने सस्पेंड कर दिया है। नीरव मोदी के पैसे लौटान की पेशकश को भी बैंक के एमडी ने स्वीकारा है और कहा कि उनके पास इसके लिए कोई पुख्ता प्लान नहीं था। मेहता ने ये भी कहा कि सीबीआई तक पहली शिकायत पहुंचने से बहुत पहले ही नीरव मोदी देश छोड़ कर जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि नीरव इसी साल एक जनवरी को देश छोड़कर जा चुके हैं।

सुनील मेहता ने कहा कि बैंक अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहा है और इस समस्या ने निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि हम कैंसर का इलाज कर रहे हैं और इसे पूरी तरह खत्म करेंगे। पीएनबी ने इस मामले में कुछ कर्मचारियों पर एक्शन लेने और उन्हें सस्पेंड करने की भी बात कही। बैंक एमडी सुनील मेहता ने कहा कि पीएनबी ने कई उतार चढ़ाव देखे हैं। यह बहुत ही संवेदनशील मामला है। बैंक ने इसकी पूरी जानकारी शेयर बाजार नियामक सेबी के साथ भी साझा की है। हमने 29 जनवरी को सीबीआई से जांच के लिए

कहा और 30 जनवरी को एफआईआर दर्ज कराई।

पीएनबी की गारंटी पर मिले कर्ज

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पीएनबी की बैंक गारंटी पर छह बैंकों ने कर्ज दिया। इनमें यूनियन बैंक ने 2300 करोड़ रुपये, इलाहाबाद बैंक ने 2000 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक ने 960 करोड़ रुपये का कर्ज दिया था।

साथ ही केनरा बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा भी इसमें शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर ईडी ने गीतांजली जेम्स के ऑफिस पर छापेमारी की है। जिन पीएनबी अधिकारियों को सस्पेंड किया उनके घर पर भी छापेमारी की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी धन शोधन के मामले में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

ईडी ने पीएनबी में हुई 280 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के संबंध में नीरव मोदी एवं अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के आधार पर दर्ज किया गया है। सीबीआई ने 31 जनवरी को अरबपति हीरा कारोबारी नीरव मोदी, उनकी पत्नी, भाई और एक व्यापारिक भागीदार के खिलाफ पीएनबी के साथ 280.70 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था।

ऐसे की धोखाधड़ी

पीएनबी के अधिकारियों ने धोखाधड़ी कर अरबपति हीरा कारोबारी नीरव मोदी से जुड़े फर्मों को साख पत्र (लेटर ऑफ अंडरटेकिंग) दिया। इससे उन्होंने विदेशों में निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न बैंकों से रुपया भुनाया। यह सब 2011 से काम कर रहे उप-महाप्रबंधक के स्तर के अधिकारियों के साथ साठगांठ कर किया गया।

नीरव मोदी से जुड़े तीन फर्म, मे. डायमंड्स आर यूएस, मे. सोलर एक्सपोर्ट्स, मे. स्टेलर डायमंड्स ने बैंक को संपर्क कर बायर्स क्रेडिट की मांग की जिससे वे अपने विदेश के कारोबारियों को भुगतान कर सकें। शिकायत के मुताबिक नीरव मोदी, निश्चल मोदी, अमी नीरव मोदी और मेहुल चोकसी इन फर्म में पार्टनर थे। इन फर्म को बैंक के बड़े अधिकारियों की मिलीभगत से बायर्स क्रेडिट प्रदान की गई, जबकि उनका कोई पुराना बेहतर क्रेडिट रिकॉर्ड नहीं था। इसके बाद हांगकांग की बैंक शाखाओं में धन का स्थानांतरण किया गया।

अजब-गजब: लड़का बनकर दो लड़कियों से शादी रचाने वाली गिरफ्तार

हल्द्वानी (एजेंसी)। वैलेंटाइन डे के मौके पर शहर में एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया, जिससे सुनने के बाद हर कोई भौचक्क रह गया। सीतापुर की कथित कारोबारी लड़की ने हल्द्वानी और कालाढूंगी की दो लड़कियों को झांसे में लेकर न सिर्फ ब्याह रचा लिया, बल्कि दहेज के लिए प्रताड़ित भी किया। मुकदमा दर्ज होने के बाद चार महीने तक चली जांच के बाद बुधवार को पुलिस ने आरोपी लड़की को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। काठगोदाम पुलिस के अनुसार वर्ष 2013 में यूपी के धामपुर जिला बिजनौर निवासी युवती कृष्णा सेन (26) ने फेसबुक में लड़के की आईडी बनाकर काठगोदाम क्षेत्र निवासी एक युवती को प्रेम जाल में फंसा। 14 फरवरी 2014 को दोनों से गाजे-बाजे के साथ शादी रचाकर साथ तिकोनिया क्षेत्र में किराये का घर लेकर रहना शुरू कर दिया। विवाहेत्तर संबंधों को लेकर दोनों में अनबन रहने लगी। आरोप है कि इसी दौरान ने कृष्णा ने कालाढूंगी तहसील में बल्ब फैक्ट्री लगाने का झांसा देकर ससुरालियों से 8.50 लाख रुपये ऐंठ लिए। बात काफी बिगड़ने पर कृष्णा ने 29 अप्रैल 2016 को कालाढूंगी निवासी एक और इंटरमीडिएट छात्रा को झांसा देकर शादी रचा ली। बाद में दोनों कथित पत्नियों को धमकाकर तिकोनिया स्थित घर में साथ ही रख लिया।

चार महीने जांच के बाद हुई गिरफ्तारी:

शक होने पर पहली शादी वाली युवती का भाई तिकोनिया से अपनी बहन को घर ले आया। अक्तूबर 2017 में काठगोदाम निवासी पत्नी ने आरोप कृष्णा पर दहेज उत्पीड़ का मुकदमा दर्ज करा दिया। करीब चार महीने चली पुलिस की जांच के बाद मंगलवार रात को आरोपी कृष्णा को गिरफ्तार कर लिया।

जेल जाने से बचने के लिए खोला राज:

दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज होने पर जब पुलिस ने जांच के बाद आरोपी कृष्णा को गिरफ्तार किया तो जेल जाने के डर से उसने सच बोल दिया। कृष्णा ने पुलिस के सामने कबूल किया कि वह पुरूष नहीं महिला है।

भेद खुलने पर पुलिस ने बदली धाराएं:

काठगोदाम एसएसआई संजय जोशी ने बताया कि दहेज उत्पीड़न की धाराओं को बदल कर धोखाधड़ी और फर्जी सरकारी दस्तावेज बनाने आदि का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

चार साल तक इसलिए नहीं खुला भेद:

कृष्णा कथित पत्नियों को ना तो अपना शरीर छूने देता था और ना ही उनके सामने कभी कपड़े बदलता था पत्नियों का शक बढ़ने पर कृष्णा ने प्लास्टिक कृत्रिम गुसांग मंगाकर सेक्स का नाटक करता था। खुद को पुरुष दिखाने के चलते वह शराब और सिगरेट पीता था और बाइक में घूमता था कथित पत्नियों को दिखाता था।

शर्मनाक : गर्भवती महिला के पेट पर CPM नेता ने मारी लात, कराना पड़ा गर्भपात

तिरुअनंतपुरम। दक्षिण राज्य केरल से एक दिल को दहला देनेवाली ख़बर सामने आयी है। वहां के कोझीकोड की रहने वाली एक गर्भवती महिला को जबरन अपना गर्भपात कराना पड़ा। ऐसा आरोप है कि कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीएम) नेता ने उसके पेट पर कथित तौर से लात मारी थी जिसकी वजह से उसे ऐसा करवाना पड़ा। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। मामले से जुड़े सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पिछले साल भी इस तरह का मामला सामने आ चुका है। 3 नवंबर को सीपीआई (एम) के कार्यकर्ता और उसके दोस्तों ने महिला को कार से बाहर निकालकर पेट पर लात मारी थी। महिला की कार और सीपीएम कार्यकर्ता की कार के बीच टक्कर हो गई थी। घटना के समय सभी आरोपी नशे में थे। एक महीने की प्रेग्नेंट महिला दर्द की वजह से नीचे गिर गई थी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

बेटे की मौत के बाद 'किराए की कोख' से बनी दादी

नई दिल्ली। पुणे की 48 वर्षीय महिला राजश्री पाटिल के बेटे की मौत दो साल पहले ब्रेन कैंसर से हो गई थी। अपने 27 साल के बेटे को खो देने के बाद उन्होंने गमज़दा होने के बजाय उसके सुरक्षित रखे गए स्पर्म का सरोगेसी के जरिये इस्तेमाल किया। सरोगेट मदर ने इसके जरिये जुड़वां बच्चों को जन्म दिया है। राजश्री को उनके बेटे की निशानियों के रूप में बेटा प्रथमेश और बेटी प्रीशा मिले हैं। इसी 12 फरवरी को इनका जन्म हुआ है। राजश्री ने बताया कि मेरा बेटा प्रथमेश पढ़ने में बहुत होशियार था। वह जर्मनी में इंजीनियरिंग की मास्टर्स डिग्री कर रहा था तभी उन्हें चौथे स्टेज के ब्रेन कैंसर का पता चला। डॉक्टरों ने उसकी कीमोथेरेपी और रेडिएशन से पहले स्पर्म सुरक्षित रखने को कहा प्रथमेश ने अपनी मां और बहन को अपनी मौत के बाद क्राइपोप्रिजर्व सीमेन सैंपल के उपयोग के लिए नामांकित किया।

यूपी: शादी के कार्ड पर बहू को शौचालय गिफ्ट देगी लोकल सरकार

महराजगंज (एजेंसी)। नगर की बहू-बेटियां खूले में शौच को विवस नही होंगी। पालिका अध्यक्ष ने बहू के आगमन पर शगुन के रूप में शौचालय भेंट करने की योजना बनाई है। इसके लिए शादी के 20 दिन पहले कार्ड के साथ पालिका में आवेदन करना होगा। भौतिक सत्यापन कर शादी से ठीक पहले पालिका के कर्मचारी सभी औपचारिकता पूरी कर शौचालय निर्माण कराएंगे। इससे बहू को ससुराल में खुले में शौच जाने से मुक्ति मिलेगी।

नगर पालिका परिषद महराजगंज की आबादी करीब 35 हजार है। सभी 25 वार्डों में आठ हजार आवास हैं। इनमें से दो हजार आवासों में शौचालय नहीं है। हालांकि शासन के निर्देश पर पालिका प्रशासन नगर को खुले में शौचमुक्त (ओडीएफ) करने के लिए आठ सामुदायक शौचालय का निर्माण कराया है। व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लिए भी ऑनलाइन आवेदन मांगा गया है। इसके बाद भी सभी तक शौचालय की सुविधा नहीं पहुंच सकी है। इस कारण नगर की कई सड़कों पर लोग खूले में शौच करते देखे जा सकते हैं। इससे नगरवासियों के स्वास्थ्य के साथ ही स्वच्छ भारत मिशन में पालिका की ग्रेडिंग भी प्रभावित हो रही है।

इससे निजात के लिए पालिका अध्यक्ष कृष्णगोपाल जायसवाल ने पहल की है। योजना के अनुसार व्यक्तिगत शौचालय से वंचित घरों में बेटे की शादी होने पर कार्ड के साथ आवेदन फार्म पालिका में जमा करना होगा। साथ ही पत्र भी संलग्न करना होगा। उसमें बताना होगा कि परिवार में कितने सदस्य हैं। इससे पहले कभी शौचालय का धन लिया या नहीं। इसके बाद अध्यक्ष पालिका की टीम को भौतिक सत्यापन के लिए भेजेंगे। सब सही होने पर पालिका टीम की निगरानी में शादी से पहले ही शौचालय का निर्माण करा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में स्वच्छता है। ऐसे में नगर को स्वच्छ रखने के लिए हर प्रयास किया जा रहा है। नगर के जिस घर में व्यक्तिगत शौचालय नही है उनके निमंत्रण कार्ड पर शगुन के रूप में तत्काल शौचालय निर्माण की योजना तैयार की गई है। समय से कार्ड मिलते ही बेटे की शादी से पहले शौचालय बनवा दिया जाएगा। इसकी निगरानी मैं खुद भी कर रहा हूं।

कृष्णगोपाल जायसवाल, अध्यक्ष नगर पालिका महराजगंज

लोगों में दहशत जारी, वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची

लखनऊ में दिखा तेंदुआ

लखनऊ। लखनऊ के आशियाना के औरंगाबाद में गुरुवार सुबह तेंदुआ द्वारा एक युवक पर हमले के बाद आसपास के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। मौके पर भारी संख्या में लोग और पुलिस मौजूद है। राजधानी में एक महीने के अंदर चौथी बार तेंदुए ने दस्तक दी है। ठाकुरगंज के प्राइवेट स्कूल में तेंदुए पकड़े जाने के बाद आईआईएम रोड, चिनहट ओर गुरुवार को आसियाना के औरंगाबाद की कॉलोनी में तेंदुए की आमद ने दहशत फैला दी। सुबह 7 बजे खेत मे पानी लगाने गए कुलदीप पर हमला करने के बाद उसके होने का हो हल्ला पूरे इलाके में फैल गया। सूचना के दो घंटे बाद वन विभाग ओर उसके बाद जू की रैपिड रिस्पांस टीम ओर स्थानीय पुलिस पहुच गई। उन्होंने कॉलोनी के बीच मे स्थित सरसों के खेत मे अदिरी पड़ी सीवर लाइन में तेंदुए की पुष्टि स्थानीय लोगों के मुताबिक बताये गई सूचना के बाद की। अधिकारीयीं ने यहां खेत के चारों वे बलिया गड़ी ओर जाल लगाने का काम शुरू किया यह काम 1:30 बजे शुरू किया गया। स्तानीय लोग कामकाज छोड़ कर खेत के चारों ओर कड़े रहे। लोगों को संभाल पाना प्रशाशन कब लिए मुश्किल बना रहा। उनकी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन करने में वैन विभाज के अधिकारियों को भी दिकतें आईं। उधर तेंदुआ द्वारा एक युवक पर हमले के बाद आसपास के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। मौके पर भारी संख्या में लोग और पुलिस मौजूद रहा। सुबह तेंदुआ की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। स्कूलों में बच्चे भेजने गए परिजनों को तेंदुवा की सूचना मिलते ही वो अपने बच्चों को वापस अपने साथ लेकर जाने लगे। तेन्दुआ के डर से सहमे बच्चे अपने परिजनों के साथ घर चले गए। साथ ही आसपास के गांव में तेन्दुआ की सूचना से स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। उधर एक

सुबह तेंदुआ की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। स्कूलों में बच्चे भेजने गए परिजनों को तेंदुवा की सूचना मिलते ही वो अपने बच्चों को वापस अपने साथ लेकर जाने लगे। तेन्दुआ के डर से सहमे बच्चे अपने परिजनों के साथ घर चले गए।

घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रात को सड़क पर वन्य जीव का फुटेज भी दिखने से उसके होने की पुष्टि की जाती रही।

पुण्यतिथि विशेष: हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिशें पे दम निकले..

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर उर्दू शायर मिर्जा गालिब की आज पुण्यतिथि है। मिर्जा गालिब का जन्म 27 दिसंबर 1797 में आगरा के एक सैन्य परिवार में हुआ था। छोटी सी उम्र में गालिब के पिता की मौत हो गई जिसके बाद उनके चाचा ने उन्हें संभाला लेकिन उनका साथ भी ज्यादा दिन नहीं रहा।

जिसके बाद उनकी देखभाल उनके नाना-नानी ने की। मिर्जा गालिब का विवाह 13 साल की उम्र में उमराव बेगम से हो गया था। जिसके बाद वह दिल्ली आ गए और यही रहें। मिर्जा गालिब ने इश्क की इबादत हो या नफरत या दुश्मनों से प्यार सभी शायरी में दर्द छलकता है। मिर्जा गालिब को मुगल शासक बहादुर शाह जफर ने अपना दरबारी कवि बनाया था। उन्हें दरबार-ए-मुल्क, नज्म-उद दौउल्लाह के पदवी से नवाजा था। इसके साथ ही गालिब बादशाह के बड़े बेटे के शिक्षक भी थे। मिर्जा गालिब पर कई किताबें है जिसमें दीवान-ए-गालिब, मैखाना-ए-आरजू, काते बुरहान शामिल है।

15 फरवरी 1869 को गालिब ने आखिरी सांस ली।

गालिब की मशहूर शेर..

हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले...बहुत निकले मिरे अरमान लेकिन फिर भी कम निकले...

दिल-ए-नादाँ तुझे हुआ क्या है...आख़िर इस दर्द की दवा क्या है...

उन के देखे से जो आ जाती है मुँह पर रौनक़, वो समझते हैं कि बीमार का हाल अच्छा है...

हैं और भी दुनिया में सुख़न-वर बहुत अच्छे..कहते हैं कि 'ग़ालिब' का है अंदाज़-ए-बयाँ और

मोहब्बत में नहीं है फ़र्क़ जीने और मरने का..उसी को देख कर जीते हैं जिस काफ़िर पे दम निकले

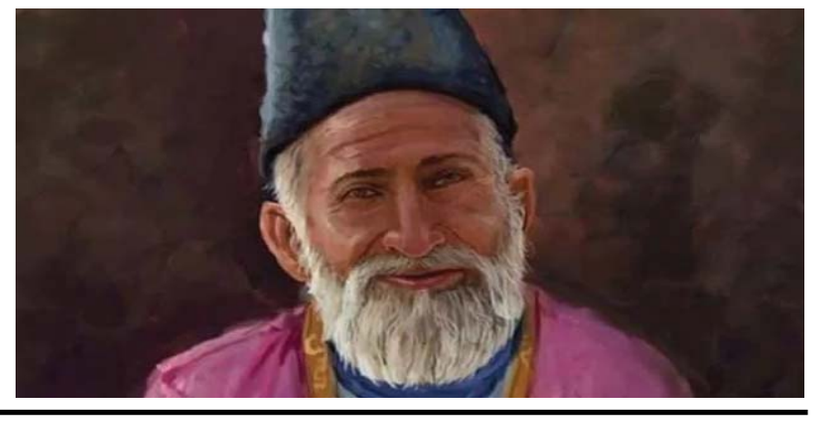

जिसका यह दावा है कि वह आध्यात्मिक चेतना के शिखर पर है मगर उसका स्वास्थ्य अक्सर खराब रहता है तो इसका अर्थ है कि मामला कहीं गड़बड़ है -महात्मा गांधी

अफवाहों पर रोक

सरकार पब्लिक प्रावीडेंट फंड योजना में यह छूट देने जा रही है, जिसके तहत पांच साल से पहले भी इस खाते को बंद कराया जा सकेगा। अभी पब्लिक प्रावीडेंट फंड के खातों को पांच सालों से पहले बंद नहीं कराया जा सकता। ऐसी अफवाहें थीं कि पब्लिक प्रावीडेंट फंड जैसी बचत योजनाओं पर कर छूट बंद होने वाली है। ठीक है कि सरकार ने ऐसी अफवाहों पर रोक लगा दी है अपनी तरफ से स्पष्टीकरण देकर। छोटी बचत योजनाओं को लेकर भी कुछ घोषणाएं सामने आई हैं। छोटी बचत योजनाओं में पोस्ट ऑफिस बचत खाता, नेशनल सेविंग्स मंथली इनकम, नेशनल सेविंग्स आवर्ती जमा, सुकन्या समृद्धि खाता और पब्लिक प्रावीडेंट फंड शामिल है। सरकार ने यह साफ किया है कि इन योजनाओं को मिल रही कोई भी छूट खत्म नहीं होगी, बल्कि उन्हें बढ़ाया जाएगा। छोटी बचत के खाते अवयस्क के नाम पर भी खोले जा सकेंगे। यह स्पष्टीकरण स्वागत योग्य है। वित्तीय मामलों की नींव में भरोसा होता है। ये सारी बचत योजनाएं सरकार से ताल्लुक रखती हैं। समय-समय पर इस तरह की अफवाहें आती रहती हैं कि सरकारी बैंकों के जमा खातों में जमा रकम का इस्तेमाल सरकारी बैंकों को डूबत खातों की भरपाई के लिए किया जाएगा। या सरकार पब्लिक प्रावीडेंट फंड को मिलनेवाली कर छूट को खत्म करने जा रही है। इस तरह की अफवाहों को अगर समय रहते ना खंडित किया जाए, तो उनसे बहुत नुकसान होने की संभावना होती है। पब्लिक प्रावीडेंट फंड में पांच साल से पहले खाता बंद करने की सुविधा एक ओर तो बचतकर्ता को एक सहूलियत देती है। पर यहां यह भी विचारणीय है कि क्या इस तरह की सुविधा से सामाजिक सुरक्षा की स्थितियां सुदृढ़ होंगी या कमजोर होगी। ऐसा देखने में आता है कि मध्यम वर्ग कर बचाने के चक्कर में कुछ बचत ऐसी करता है, जिसे जबरदस्ती की बचत या जबरन करायी बचत भी कहा जा सकता है। पर एक दिन यह बचत सामाजिक सुरक्षा के माध्यम के तौर पर सामने आती है। सुविधा देना बहुत अच्छी बात है पर यह ना हो जाए कि बचतकर्ता अपनी सामाजिक सुरक्षा का हर रास्ता अवरु द्ध कर ले। इसके लिए जरूरी है कि वित्तीय साक्षरता का व्यापक प्रचार-प्रसार हो। बचतकर्ता को पता हो कि उसके हित कहां सुरक्षित हैं? वह दबाव के चक्कर में बचत ना करे बल्कि अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ही बचत करे। इसके लिए व्यापक वित्तीय साक्षरता अभियान छेड़े जाने की जरूरत है।

खिलाफ सुप्रीम कोट

अपनी ही मांद में फंस जाना इसे ही कहते हैं। आतंकवाद और आतंकवादियों पर हमेशा से नरम रुख अख्तियार करने वाला पाकिस्तान अब दुनिया की नजरों में गलत दिखने लगा है। 18 से 23 फरवरी तक पेरिस में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की सालाना बैठक से ठीक पहले पाकिस्तान के राष्ट्रपति ममनून अहमद ने नियंतण्र आतंकियों की फंडिंग की सूची में डाले जाने से बचने के लिए जमात-उद-दावा, लश्कर-ए-तैयबा और फ लह-ए-इंसानियत फ ाउंडेशन के खिलाफ अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे भले भारत की कामयाबी और पाकिस्तान पर दबाव के रूप में देखा जाए, मगर यह सफलता की पूरी कहानी नहीं है। इससे पहले भी 2012 से 2015 तक पाकिस्तान एफएटीएफ की ''ग्रे-लिस्ट' में रह चुका है। चूंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने कई बार पाकिस्तान की करतूतों और आतंकवाद को लेकर उसके नरम रुख का कच्चा चिट्ठा खोला है। अच्छा तालिबान और बुरा तालिबान के पाकिस्तानी नजरिये की हकीकत को दुनिया देर से समझ पाई। अब भी चीन जैसे देश पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे-लिस्ट में शामिल होने से बचाने की जुगत में लगे हैं। पिछली बार भी चीन ने पाकिस्तान के बचाव में गलत हथकंडे अपनाए थे। एफएटीएफ में शामिल चार मुल्क अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी पाकिस्तान के रुख से दुखी और निराश हैं। ग्रे-लिस्ट से बचने के लिए तीन सदस्य देशों का वोट जरूरी है। भारत हमेशा से पाकिस्तान के खिलाफ टेरर फंडिंग का मसला उठाता रहा है। पाकिस्तान शुरुआती समय से ही एफएटीएफ के रेडार पर रहा है कि वह संयुक्त राष्ट्र में सूचीबद्ध संगठनों के खिलाफ प्रतिबंधों का पूरी तरह से पालन नहीं कर रहा है। आतंकवादियों को वित्त पोषण के साथ ही मनी लांड्रिंग के मामले में पाकिस्तान का चरित्र विश्व का हर राष्ट्र जानता-समझता है। इससे पहले भी जमात-उद-दावा और उसके मुखिया हाफिज सईद के अलावा कई कुख्यात संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का प्रपंच कर चुका है। लेकिन हर बार बेनकाब भी हुआ है। काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। सो पाकिस्तान को आतंकवाद पर अपनी नीति और नीयत हर हाल में बदलनी ही होगी।

चुनाव की मोसम

त्रिपुरा ने सामाजिक क्षेत्र में काफी प्रगति की है। राज्य में लगभग पूरी आबादी साक्षर है और शिशु मृत्यु दर कम है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था होने के बावजूद मानव विकास सूचकांक में राज्य का स्थान ऊपर है। माकपा के लंबे शासनकाल में जनजातीय उग्रवाद का अंत हो चुका है और सामाजिक क्षेत्र में राज्य ने काफी प्रगति की है। मगर चुनाव के दौरान माकपा को जनभावना से जुड़े सरोकारों का सामना करना पड़ेगा। बेरोजगारी की समस्या को लेकर युवाओं में असंतोष बढ़ता गया है। माकपा को मुख्य विपक्षी दल के तौर पर इस बार कांग्रेस की जगह भाजपा का मुकाबला करना पड़ेगा। भाजपा पूरा ध्यान जनजातीय मतदाताओं को लुभाने पर केंद्रित कर रही है, जिनकी तादाद कुल आबादी में 32 फीसद है।

सतीश पेडणोकर

भारत के जिन तीन पूर्वोत्तर राज्यों में विधान सभा चुनाव होने जा रहे हैं, आकार में वे राज्य भले ही छोटे हैं। लेकिन उनकी राजनीतिक अहमियत को कम नहीं आंका जा सकता। नगालैंड, मेघालय और त्रिपुरा विधान सभा चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी है। जहां कांग्रेस के लिए अपने वजूद को कायम रखने की चुनौती दिखाई दे रही है वहीं भाजपा इन तीनों राज्यों में जीत हासिल करने के मंसूबे बना रही है। 18 फरवरी को त्रिपुरा में चुनाव होंगे, जबकि मेघालय और नगालैंड में 27 फरवरी को चुनाव होंगे। मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा में 60-60 सदस्यीय विधान सभा का कार्यकाल क्रमश: 6, 13, 14 मार्च को समाप्त हो रहा है। तीनों विधान सभा चुनावों के नतीजे 3 मार्च को आ जाएंगे। 1993 में त्रिपुरा में कांग्रेस को परास्त कर सत्ता में आए वाम मोर्चे को इस बार कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। वाम मोर्चे में 50 विधायक हैं, जिनमें एक विधायक भाकपा का और 49 विधायक माकपा के हैं। केरल के बाद त्रिपुरा ही देश में ऐसा राज्य है, जहां माकपा की सरकार है और इस चुनाव में मुख्यमंत्री मानिक सरकार की लोकप्रियता की भी परीक्षा होने वाली है। त्रिपुरा ने सामाजिक क्षेत्र में काफी प्रगति की है। राज्य में लगभग पूरी आबादी साक्षर है और शिशु मृत्यु दर कम है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था होने के बावजूद मानव विकास सूचकांक में राज्य का स्थान ऊपर है।

माकपा के लंबे शासनकाल में जनजातीय उग्रवाद का अंत हो चुका है और सामाजिक क्षेत्र में राज्य ने काफी प्रगति की है। मगर चुनाव के दौरान माकपा को जनभावना से जुड़े सरोकारों का सामना करना पड़ेगा। बेरोजगारी की समस्या को लेकर युवाओं में असंतोष बढ़ता गया है। माकपा को मुख्य विपक्षी दल के तौर पर इस बार कांग्रेस की जगह भाजपा का मुकाबला करना पड़ेगा। भाजपा पूरा ध्यान जनजातीय मतदाताओं को लुभाने पर केंद्रित कर रही है, जिनकी तादाद कुल आबादी में 32 फीसद है। आदिवासियों के वोट हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने इंडिजीनियस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के साथ गठजोड़ किया है।

भाजपा ने असम के मंत्री हिमंत विश्व सरमा को चुनाव का प्रभारी बनाया है। पिछले दो सालों में पूर्वोत्तर के तीन राज्य असम, अरु णाचल प्रदेश और मणिपुर में भाजपा की सरकार बनाने में शर्मा ने निर्णायक भूमिका निभाई है। त्रिपुरा में कांग्रेस को अंदरूनी असंतोष का सामना करना पड़ रहा है। 2013 के चुनाव में कांग्रेस को 10 सीट मिली थी, जो अब सिमटकर तीन रह गई है। उसके छह विधायक पहले तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए और फिर पिछले साल भाजपा में शामिल हो गए। एक और विधायक ने दो महीने पहले भाजपा का दामन थाम लिया। नगालैंड में चुनाव से पहले नाटकीय मोड़ उस समय आया जब सभी राजनीतिक पार्टियों ने नगा मसले को हल किए बिना चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा कर दी। बाद में भाजपा ने बहिष्कार से खुद को अलग कर लिया। भाजपा ने अपने पुराने राजनीतिक साझीदार एनपीएफ से सीटों को लेकर तालमेल नहीं बैठने पर चुनाव के लिए नेफ्यू रिओ की पार्टी एनडीपीपी के साथ गठबंधन कर लिया है। राज्य में 15 से भाजपा की साझेदारी नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के साथ थी और यह सत्ताधारी डेमोक्रेटिक अलायंस ऑफ नगालैंड का अंग बनी रही थी। मुख्यमंत्री टीआर जिलियांग ने हाल ही में राज्य के अनुभवी नेता एस लिजित्सू से सुलह की है, जिनको उन्होंने जुलाई 2017 में हटा दिया था। रिओ ने 2014 में लोक सभा चुनाव लड़ते समय मुख्यमंत्री का पद जिलियांग को सौंप दिया था। किंतु पिछले दो सालों में वर्चस्व की जंग शुरू होने पर जिलियांग के साथ उनके रिश्ते बिगड़ते गए। चुनाव से पहले रिओ ने एनपीएफ को छोड़ दिया और नवगठित पार्टी नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) में शामिल हो गए।

इसी पार्टी के साथ भाजपा ने भी गठबंधन कर लिया है। एनपीएफ से दो बार निलंबित हो चुके रिओ के साथ नई पार्टी में पूर्व सांसद सी कोनयाक और पूर्व आईएएस अधिकारी ए जमीर हैं। एनपीएफ को पिछले कुछ दिनों से अंतर्कलह से जूझना पड़ रहा है। पिछले महीने मुख्यमंत्री जिलियांग ने भाजपा के एम किकोन सहित छह मंत्रियों को निलंबित कर दिया।

एक और मंत्री वाई पेटन इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए हैं। 60 सदस्यीय नगालैंड विधान सभा में एनपीएफ के 48, भाजपा के चार और आठ निर्दलीय विधायक हैं। कांग्रेस के पास एक भी सीट नहीं है। पूर्वोत्तर में हाल के दिनों में भाजपा का नाटकीय रूप से उत्थान हुआ है। मई 2016 में असम में कांग्रेस को सत्ता से हटाने के छह महीने बाद ही अरु णाचल प्रदेश में उसने मुख्यमंत्री पेमा खांडू सहित कांग्रेस के 43 विधायकों को अपने साथ लेकर सरकार बनाई। मार्च 2017 में हुए चुनाव में कांग्रेस भले ही सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, मगर भाजपा ने ही सरकार बनाई। लेकिन ईसाई बहुल नगालैंड और मेघालय में भाजपा की राह आसान नहीं है। गौ रक्षा अभियान के नाम पर देश भर में हिंसा, बीफ बैन और चर्च पर हमले की वजह से उसकी छवि जीत की राह में बाधक बन सकती है। मेघालय में भाजपा ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री केजे अलफोंस को चुनाव प्रभारी बनाया है, जो अपने गृह राज्य केरल में बीफ समर्थन के लिए जाने जाते हैं। भाजपा को उम्मीद है कि इस तरह लोगों के मन से बीफ बैन के मुद्दे पर नाराजगी को दूर किया जा सकता है। मेघालय में कोई जनाधार नहीं होने के चलते भाजपा ने नेशनलिस्ट पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के साथ हाथ मिलाकर सत्ताधारी कांग्रेस को परास्त करने की जो रणनीति बनाई थी, उसे उस समय धक्का लगा जब एनपीपी नेता कौनराड संगमा ने भाजपा के साथ गठजोड़ करने से इनकार कर दिया और अपने बूते पर चुनाव लड़ने का फैसला किया। एनपीपी की स्थापना पूर्व लोक सभाध्यक्ष पीए संगमा ने की थी और कौनराड उनके पुत्र हैं। कौनराड को उम्मीद है कि उनकी पार्टी अपने बूते पर ही कांग्रेस को पराजित करने में सफल होगी। पर्यवेक्षकों को लगता है कि विपक्षी पार्टी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी और निर्दलीय विधायक किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

सत्संग

शिक्षा, नौकरी

सांसारिक जीवन में किसी को शायद ही कुछ विशेष उपलब्ध हो पाता है। अपना सगा होते हुए भी एक पिता मूर्ख गैर जिम्मेदार पुत्र को अपनी विपुल संपत्ति नहीं सौंपता। कोई भी व्यक्ति निर्धारित कसौटियों पर खरा उतरकर ही विशिष्ट स्तर की सफलता अर्जित कर सकता है। मात्र मांगते रहने से कुछ नहीं मिलता, हर उपलब्धि के लिए उसका मूल्य चुकाना पड़ता है। बाजार में विभिन्न तरह की वस्तुएं दुकानों में सजी होती हैं, पर उन्हें कोई मुफ्त में कहां प्राप्त कर पाता है? अनुनय-विनय करने वाले तो भीख जैसी नगण्य उपलब्धि ही करतलगत कर पाते हैं। पात्रता के आधार पर ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय आदि क्षेत्रों में भी विभिन्न स्तर की भौतिक उपलब्धियां हस्तगत करते सर्वत्र देखा जा सकता है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही सिद्धांत लागू होता है। भौतिक क्षेत्र की तुलना में अध्यात्म के प्रतिफल कई गुना अधिक महत्त्वपूर्ण, सामर्यवान और चमत्कारी हैं। किन्हीं-किन्हीं महापुरुषों को देख एवं सुनकर हर व्यक्ति के मुंह में पानी भर आता है और उन्हें प्राप्त करने के लिए मन ललचाता है, पर अभीष्ट स्तर का आध्यात्मिक पुरु षार्थ न कर पाने के कारण उस ललक की आपूत्तर नहीं हो पाती। पात्रता के अभाव में अधिकांश को दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों से वंचित रह जाना पड़ता है जबकि पात्रता विकसित हो जाने पर बिना मांगें ही वे साधक पर बरसती हैं। दैवी शक्तियां परीक्षा तो लेती हैं, पर पात्रता की कसौटी पर खरा सिद्ध होने वालों को मुक्तहस्त से अनुदान भी देती हैं। यह सच है कि अध्यात्म का, साधना का चरम लक्ष्य सिद्धियां-चमत्कारों की प्राप्ति नहीं है, पर जिस प्रकार अध्यवसाय में लगे छात्र को डिग्री की उपलब्धि के साथ-साथ बुद्धि की प्रखरता का अतिरिक्त अनुदान सहज ही मिलता रहता है, उसी तरह आत्मोत्कर्ष की प्रचण्ड साधना में लगे साधकों को उन विभूतियों का भी अतिरिक्त अनुदान मिलता रहता है, जिसे लोक-व्यवहार की भाषा में सिद्धि एवं चमत्कार के रूप में जाना जाता है। पर चमत्कारी होते हुए भी ये प्रकाश की छाया जैसी ही हैं। प्रकाश की ओर चलने पर छाया पीछे-पीछे अनुगमन करती है। अंधकार की दिशा में बढ़ने पर छाया आगे आ जाती है। इसी प्रकार अर्थात दिव्यता की ओर-श्रेष्ठता की ओर परमात्म पथ की ओर बढ़ने पर छाया अर्थात ऋद्धि-सिद्धियाँ साधक के पीछे-पीछे चलने लगती हैं।

चलते चलते

आषाढ़स्य प्रथम दिवस

आषाढ़ की छोड़ो साहब बारिश तो सावन में हो जाए तो भी गनीमत है, वरना सावन के अंधे को भविष्य में सब धूसर ही नजर आएगा। खैर बसंत कब आया, पता ही नहीं चला, बच्चों की छुट्टी हुयी तो पता चला। बसंत के आने का एक और संकेत राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन का आम जनता के लिए खुलना भी होता है।

संत कब आया, पता ही नहीं चला जी। आजकल बसंत का पता कोयल की कूक से नहीं चलता, बल्कि बच्चों के स्कूल की छुट्टी होने से चलता है। यह कुछ-कुछ उसी तरह का मामला है कि आषाढ़स्य प्रथम दिवसे अब मेघा नहीं बरसते, बल्कि सूरज की आग बरसती है। आषाढ़ की छोड़ो साहब बारिश तो सावन में हो जाए तो भी गनीमत है, वरना सावन के अंधे को भविष्य में सब धूसर ही नजर आएगा। खैर बसंत कब आया, पता ही नहीं चला, बच्चों की छुट्टी हुयी तो पता चला। बसंत के आने का एक और संकेत राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन का आम जनता के लिए खुलना भी होता है। अब बच्चों के स्कूल की छुट्टी भी हो गई और मुगल गार्डन भी खुल गया, सो मान लेना चाहिए कि बसंत आ गया। अब बसंत आने का पता चलता भी कैसे साहब। बेचारे दिल्ली के दुकानदार बसंत का क्या स्वागत करते, वे तो सीलिंग पर रो रहे थे। आप और भाजपावाले सीलिंग पर लड़ रहे थे। कांग्रेसी कह रहे थे कि भैया सीलिंग का मामला है तो हमें भी सीलिंग पर लड़ाई में शामिल करो। कुछ लोग आठ महीने की गुड़िया से हुए बलात्कार पर गा-खा रहे थे, वे बसंत का क्या स्वागत करते? वे तो अब घर पर अपनों का स्वागत भी नहीं कर पाएंगे। क्योंकि इस आठ महीने की गुड़िया से बलात्कार करने वाला परिवार का अपना ही था। कुछ लोग अंकित की हत्या पर गमगीन थे। जवान बेटों के माता-पिता उन्हें इश्क करने से बरज रहे थे तो कन्याओं के माता-पिता उन्हें घर से निकलने से ही मना कर रहे थे। पर कुछ ऐसे भी थे जो इसे हिन्दू-मुस्लिम मुद्दा बनाने में लगे थे क्योंकि इसके बिना उनका जीवन ही व्यर्थ है। अब बसंत के चलते मुगल गार्डन को छोड़कर और कहीं तो बहार आई है या नहीं, यह तो पता नहीं पर यूपी में एनकाउंटरों की जो बहार आई है वह नोएडा तक पंहुच गई। इस चक्कर में दरोगाओं के हथियार ही छिन गए। खैर, दरागाओं के हाथों में हथियार रहे न रहे, बस दरोगाई रहनी चाहिए। और देश में कासगंज का जमाना है। तिरंगा यात्राएं जारी हैं। वैसे तिरंगा में जब एक रंग केसरिया है ही तो अलग से भगवा ध्वज की क्या जरूरत थी। पर कुछ चीजें राजनीति से भी संचालित होती हैं और कासगंज इसका उदाहरण है।

फोटोग्राफी...

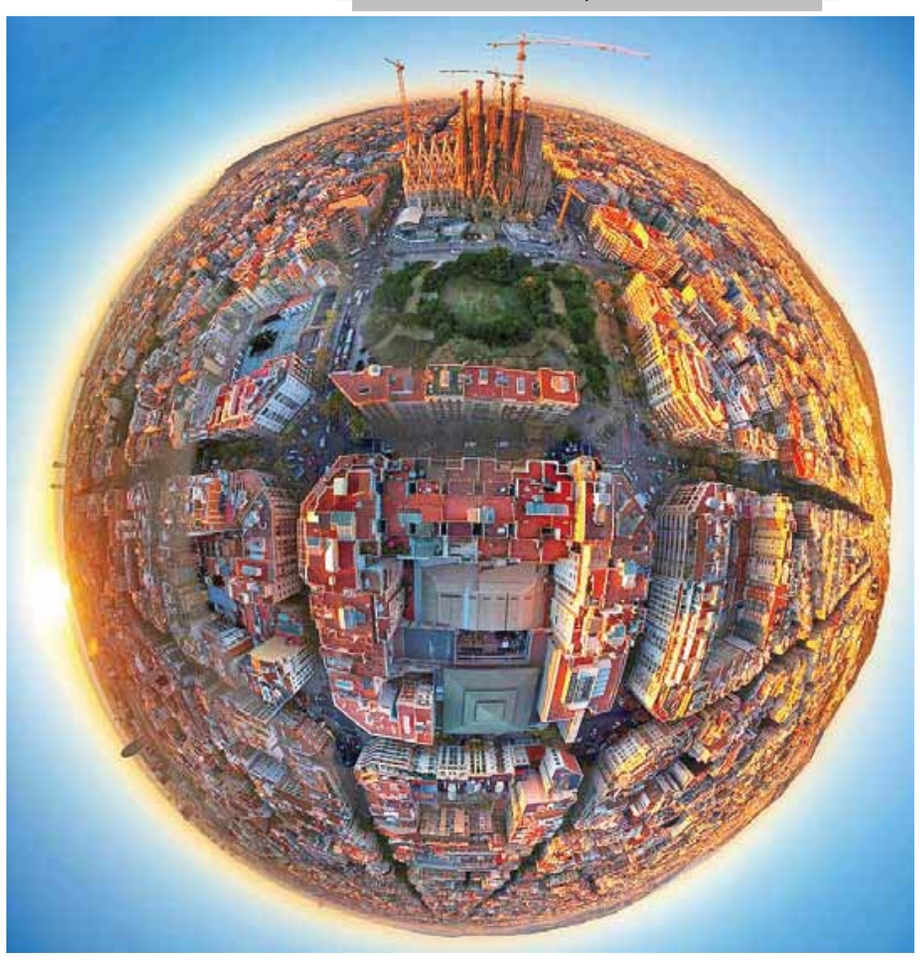

यह फोटो बार्सीलोना का है जिसे ब्रुनो एलनकास्त्रो ने 360 डिग्री फोटोग्राफी में नए दृष्टिकोण के साथ दिखाया है। ब्रुनो फिलहाल बार्सीलोना में रह रहे हैं और यहां की संस्कृति व शहरी बनावट को समझ रहे हैं। यह सब इसलिए क्योंकि यह न केवल स्पेन के बल्कि यूरोप के सबसे खूबसूरत शहरों में शामिल है। यहां ऐसी कई जगहें हैं जिसे देखने प्रतिवर्ष लाखों लोग पहुंचते हैं। वे उन जगहों पर गए और उन्हें ऐसा दिखाने की कोशिश की, जैसे वही पूरा ग्लोब हो। ब्रुनो कहते हैं, मैं कुछ अलग करना चाहता था क्योंकि यहां के हजारों फोटो प्रतिदिन इंटरनेट पर अपलोड होते हैं। उन्हीं को फिर दोहराता तो नयापन नहीं दिखाई देता। एक जगह पर उन्होंने 46 क्लिक किए, तब जाकर एक फोटोग्राफ तैयार हो सका। ब्रुनो ने बार्सीलोना के बाद यूरोप के अन्य शहरों को भी अपनी 360 डिग्री फोटोग्राफी में शामिल किया है। instagram.com

''भूगोल का प्रभाव व महज्व'

इतिहास जानना है तो भूगोल को भी जानना होगा। इतिहास का ज्ञान भूगोल के बगैर अधूरा है। भूगोल को सभी विषयों की जननी बताया गया है। इसका सीधा संबंध मानव जीवन से है। सही मायने में देखा जाए तो पंचतत्व ही भूगोल है। इसके जरिये कई तरह के मौलिक ज्ञान का समावेश होता है। आने वाली पीढ़ियों को भारत के विभिन्न राज्यों में जो भौगोलिक व सांस्कृतिक विविधताएं हैं, उसे जानने-समझने मसलन; चट्टान, लैंडस्केप (भूदृश्य), मिट्टी, एटलस आदि चीजों को देखने का अवसर मिलेगा। भूगोल के छात्रों, रिसर्च स्कॉलर्स और उसमें रुचि रखने वालों को सारी गहन और बहुमूल्य जानकारी एक ही छत के नीचे मिल सके, इस तय को देखते हुए दो भूगोलवेत्ताओं दिल्ली विविद्यालय के प्रो. आर. बी. सिंह और शिवाजी कॉलेज के तेजबीर सिंह ने दिल्ली स्थित अलीपुर में भारत का पहला ''भूगोल संग्रहालय' स्थापित किया है। प्रो. आर.बी. सिंह-अंतरराष्ट्रीय भूगोल संघ के उपाध्यक्ष भी हैं-ने बताया कि पिछले दो दशक से भूगोल के क्षेत्र में नई क्रांति आई है। जीपीएस, जीआइएस, रिमोट सेंसिंग, सेटेलाइट आदि कई क्षेत्रों में तकनीकी दखल के चलते भूगोल का महत्त्व बढ़ गया है। ग्लोबल वार्मिंग, मौसम में तब्दीली और जैव विविधता के अध्ययन में भूगोल ने खासा योगदान दिया है। लिहाजा छात्र-छात्राओं को भूगोल का ज्ञान देते समय स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों की विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए। इसके तहत स्थानीय जैव विविधता और उसके महत्त्व, मिट्टी के प्रकार, स्थानीय आधार पर मौजूद खनिज तत्व, जलवायु की जानकारी छात्रों को होनी चाहिए। भूगोल की जानकारी के आधार पर छात्र-छात्राएं क्षेत्रीय आधार पर आर्थिक संसाधनों की वृद्धि के लिए प्रयास कर सकते हैं। मिट्टी व जलवायु की अच्छी समझ होने पर छात्र ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों के उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं। भूगोल व मानव का ताना-बाना बुनने के लिए विषय की विस्तृत व क्षेत्रीय परिस्थितियों की जानकारी बेहद जरूरी है। ''भूगोल का प्रभाव व महत्त्व' न केवल लोगों को वर्तमान घटनाओं की जटिलता को समझने में मदद करता है बल्कि दीर्घकालिक साधनों व तरीकों के माध्यम से ''भौगोलिक दृष्टि से उपयुक्त' भविष्य की योजना बनाने में भी मददगार होगा। बहुत सारे विकसित देश विशेषकर चीन, अमेरिका, रूस आदि देशों में ''भूगोल धरोहर संग्रहालय' की संकल्पना है। भौगोलिक धराहरों को एक जगह पर लाने (एजुकेशनल आऊटरीच) का माध्यम बनाने के पीछे भी एक रोचक घटना है। 1968 में अंतरराष्ट्रीय भूगोल यूनियन का कांग्रेस हुआ था। इस कांग्रेस के उपलक्ष्य में संचार मंत्रालय ने एक डाक टिकट जारी किया था। लेकिन आर्श्चय की बात है कि उस समय के कई भूगोलवेत्ताओं को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। कम्युनिटी, पीपुल्स और पॉलिसी मेकर्स और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के द्वारा अपील कर रहे हैं कि वो इस संग्रहालय के लिए पुरातत्व और ऐतिहासिक धरोहर की चीजें दान में दें। जब वो ऐसा करेंगे तो स्वाभाविक रूप से गौरवान्वित महसूस करेंगे। जहां तक विदेशों में इस तरह के संग्रहालय होने की बात है, कुछ ही विकासित देशों (पांच-छह) में ऐसी व्यवस्था है। लेकिन इससे वहां गजब का परिवर्तन आया है। उदाहरणार्थ, नेशनल ज्योग्राफिक पत्रिका जो उच्च मध्यम वर्ग के घरों में देखने को मिल जाती है। इसके माध्यम से उन परिवारों को विश्व में घटित हो रही हर प्राकृतिक बदलावों की जानकारी मिल जाती है। इस लिहाज से हमारे यहां स्थापित पहले संग्रहालय से काफी अहम जानकारियों को दूरदराज तक पहुंचा सकते हैं। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यानी हर तरह से यह बेहतरीन प्रयास है।

एआईबीए ने आईओसी से कहा, 2020 ओलंपिक में 10 पुरूष वर्ग बरकरार रखे

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) ने आईओसी से 2020 तोक्यो ओलंपिक में सभी 10 पुरूष वजन वर्गों को बरकरार रखने का अनुरोध किया है, साथ ही महिला स्पर्धा में केवल एक कांस्य पदक दिये जाने का सुझाव दिया है। आईओसी ने लैंगिक समानता के अपने एजेंडे पर आगे बढ़ने की मुहिम के तहत 2020 ओलंपिक के लिये पुरूष वजन वर्ग को 10 से घटाकर आठ करने की बात कही थी ताकि महिलाओं के पांच वजन वर्गों को सुनिश्चित किया जा सके। इस समय ओलंपिक में महिलाओं के तीन वजन वर्ग (51 किग्रा, 60 किग्रा और 75 किग्रा) हैं। एआईबीए ने आईओसी को दिये प्रस्ताव में कहा, ''एआईबीए अधिकारिक रूप से आईओसी से हमारा प्रस्ताव स्वीकार करने का अनुरोध करता है कि मौजूदा 10 वजन वर्गों को बरकरार रखे और प्रत्येक वजन वर्ग में पुरूष मुक्केबाजों की संख्या घटा दे।' आईओसी पदकों की संख्या बढ़ाये बिना समानता लाने का इच्छुक है जो प्रत्येक वर्ग में एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हैं। इसके अनुसार, ''हम यह भी सिफारिश कर रहे हैं कि प्रत्येक महिला वजन वर्ग में एक ही कांस्य पदक दिया जाये। इससे पांच कांस्य पदक फाइनल्स हो जायेंगे जिससे पांच बाउट जुड़ जायेंगी और इससे एक मुक्केबाज का केवल एक बाउट जीतकर पदक जीतने का मौका भी खत्म हो जायेगा।' एआईबीए ओलंपिक में महिला मुक्केबाजों के वजन वर्ग बढ़ाने से खुश है लेकिन उसने कहा कि पुरूष स्पर्धा में वजन वर्गों को घटाना स्वीकार्य नहीं है, लेकिन वह सभी वजन वर्गों में छोटे ड्रा पर विचार कर सकता है। ।विश्व संस्था ने कहा, ''एआईबीए इस बात से चिंतित है कि ओलंपिक वजन वर्गों का 10 से घटाकर आठ करना हमारे खेल की विश्व भर में लोकप्रियता पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा।' इसके अनुसार, ''एआईबीए की कार्यकारी समिति को राष्ट्रीय महासंघों के समर्थन से अपने मुक्केबाजों की सुरक्षा करनी चाहिए और इन 10 पुरूष ओलंपिक वजन वर्गों को बरकरार रखना चाहिए।' एआईबीए ने यह भी कहा कि महिलाओं के ड्रा में कम मुक्केबाज होगी क्योंकि काफी देशों से महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है।

दूसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका पर दबदबा बनाए रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

ईस्ट लंदन(दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)।

शानदार शुरूआत के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम कल दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका पर अपना दबदबा बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। वनडे श्रृंखला 2.1 से जीतने के बाद भारतीय महिला टीम ने आत्मविश्वास के साथ टी20 श्रृंखला का आगाज किया। पहले मैच में भारत ने मेजबान को सात विकेट से हराया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम पांच मैचों की श्रृंखला के बाकी मैचों में भी यह लय बरकरार रखना चाहेगी। पहले टी20 में भारत के प्रदर्शन को देखते हुए लगता है कि तीसरे वनडे में मिली हार महज एक इत्तेफाक थी और इससे भारत के मनोबल पर कोई असर नहीं पड़ा है।

पहले गेंदबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को चार विकेट पर 164 रन पर रोक दिया और इसके बाद 18 . 5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज मिताली राज ने नाबाद 54 रन बनाकर पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाई। उन्होंने तीसरे विकेट के लिये जेमिमा रौद्रिगेज (37) के साथ 69 और चौथे विकेट के लिये वेदा कृष्णामूर्ति (नाबाद 37) के साथ 52 रन की साझेदारी की। मिताली ने अपना 11वां टी20 अर्धशतक 48 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के के साथ पूरा किया। भारतीय टीम प्रबंधन को उनसे आगे भी ऐसे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मुंबई की 17 बरस की रौद्रिगेज ने अपनी पहली पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। पिछले मैच में खाता भी नहीं खोल सकी कप्तान हरमनप्रीत से अच्छी पारी की उम्मीद होगी।

गेंदबाजी में भारत को अनुभवी झूलन गोस्वामी की कमी खलेगी जो एड़ी की चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हैं। युवा तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकार और शिखा पांडे पहले मैच में अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर सकी। झूलन की गैर मौजूदगी में पांडे तेज आक्रमण का मोर्चा संभालेंगी। टी20 विशेषज्ञ आफ स्पिनर अनुजा पाटिल ने पिछले मैच में दो विकेट लिये। उन्हें पूनम यादव, राधा यादव और हरमनप्रीत से सहयोग की जरूरत होगी। मिताली ने पहले मैच के बाद कहा था , ' टीम में युवाओं का होना अच्छा है। इससे सकारात्मक ऊर्जा आती है और वे मैदान पर भी काफी सक्रिय हैं।÷ दक्षिण अफ्रीका पिछले मैच की हार से उबरकर बेहतर क्रिकेट खेलने के इरादे से उतरेगा।' कप्तान डेन वान नीकर्क ने कहा , ' हमें अपनी गलतियों से सबक लेकर खेलना होगा । हमें खराब फील्डिंग का खामियाजा भुगतना पड़ा लेकिन अब हम यह गलती नहीं दोहरायेंगे।'

पूर्व हॉकी कप्तान सरदार सिंह ने कहा, निगाहें 2020 ओलंपिक पर लगी हैं

नयी दिल्ली। पूर्व हॉकी कप्तान सरदार सिंह भले ही अपने करियर के अंतिम छोर पर हों लेकिन उनका कहना है कि अभी वह खुद को 2020 तोक्यो ओलंपिक तक मौका देना चाहते हैं जिसके बाद ही अलविदा कहने पर फैसला करेंगे। करिश्माई मिडफील्डर सरदार पिछले कुछ समय से टीम से अंदर बाहर हो रहे हैं क्योंकि भारतीय पुरूष हॉकी टीम का प्रबंधन 2018 के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए सही संयोजन हासिल करने की मुहिम के तहत युवाओं को मौका देना चाहता है। सरदार पिछले साल भारत की एशिया कप विजेता टीम का हिस्सा थे, उन्हें भारत के पिछले दो टूर्नामेंट -भुवनेश्वर में हॉकी विश्व लीग फाइनल और पिछले महीने न्यूजीलैंड के दौरे- की टीम से भी बाहर रखा गया था। वह अभी कोर संभावितों का हिस्सा हैं लेकिन यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन इस अनुभवी खिलाड़ी के बारे में क्या सोच रहा है लेकिन वह काफी सकारात्मक हैं। सरदार ने कहा, ''मैंने पहले भी कहा था कि मैं ओलंपिक तक खेलना जारी रखना चाहता हूं। 2019 में हमारे लिये ओलंपिक तैयारियों के अलावा कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं है। मैं इस साल विश्व कप तक हाकी खेलूंगा।' उन्होंने कहा कि वह पूरी तरह फिट हैं। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, ''लेकिन जिस भी अगले टूर्नामेंट में मुझे मौका मिलेगा, चाहे वह अजलन शाह हो, राष्ट्रमंडल खेल हो या कुछ और टूर्नामेंट हो, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं।''

पूर्व आल स्पिनर रमेश पोवार ने एमसीए अकादमी का कोच पद छोड़ा

मुंबई। भारत के पूर्व आल स्पिनर रमेश पोवार ने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) की क्रिकेट अकादमी में स्पिन कोच का अपना पद छोड़ दिया है। एमसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि पोवार पिछले छह महीने से अकादमी से जुड़े थे, लेकिन उन्होंने यह पद अब छोड़ दिया है। पोवार भारत के लिये टेस्ट और वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग से भी जुड़े थे। अधिकारी ने कहा कि पोवार ने निजी कारणों से बुधवार यह पद छोड़ दिया और अब मंजूरी के लिये उनका इस्तीफा प्रबंध समिति के समक्ष रखा जायेगा।

बीसीसीआई ने सभी इकाइयों से कहा, सुदामा प्रीमियर लीग 'अनधिकृत' है

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

बीसीसीआई ने अपनी सभी मान्यता प्राप्त इकाइयों को चेताया है कि वे अपने खिलाड़ियों को अनधिकृत सुदामा प्रीमियर लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं दें। इस टूर्नामेंट को पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव और मौजूदा डीडीसीए सीनियर चयन समिति के चेयरमैन अतुल वासन की मौजूदगी में लांच किया गया था। पूर्व भारतीय खिलाड़ी संजीव शर्मा और पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर के हरिहरन भी इस प्रतियोगिता से जुड़े हैं। मैचों का आयोजन फिरोजशाह कोटला में होना था लेकिन बीसीसीआई के प्रतिबंध से कोटला को इनकी मेजबानी करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। यहां इस बात का जिक्र जरूरी होगा कि ग्रेटर नोएडा में उस स्टेडियम को प्रतिबंधित कर दिया गया था जिसमें नोएडा प्रीमियर लीग टी20 नाम के टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। बीसीसीआई ने हाल में अपने पंजीकृत खिलाड़ियों को इंडियन जूनियर प्रीमियर लीग और रजवाड़ा प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट में भाग लेने के कारण प्रतिबंधित कर दिया था।

बीसीसीआई सचिव अमिताभ चौधरी ने सभी संघों को इस अनधिकृत सुदामा प्रीमियर लीग की सूचना दी। उन्होंने इसमें लिखा, ''हम आपका ध्यान इस बात पर दिलाना चाहते हैं कि बीसीसीआई ने सुदामा प्रीमियर लीग नाम की लीग को अनुमति नहीं दी है। आपसे आग्रह है कि इस बारे में सभी पंजीकृत खिलाड़ियों, मैच

अधिकारियों, स्कोरर और वीडियो विश्लेषकों को सूचित कर दीजिये।' जब वासन से उनके जुड़ाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने उत्तर दिया, ''मुझे बीसीसीआई के सर्कुलर के बारे में जानकारी नहीं थी। मैं सिर्फ आयोजकों की मदद की कोशिश कर रहा था। लेकिन अगर बीसीसीआई ने इस टूर्नामेंट को प्रतिबंधित कर दिया है तो मैं निश्चित रूप से इसका हिस्सा नहीं रहूंगा।' कपिल देव इस समय बीसीसीआई के वेतन पाने वाले खिलाड़ियों में शामिल नहीं हैं लेकिन संजीव शर्मा कुछ वर्ष पहले तक दिल्ली रणजी ट्री के कोच थे और वह मैच रैफरियों की प्रवेश परीक्षा में भी बैठे थे। हरिहरन सेवानिवृत्त अंपायर हैं, जो दो टेस्ट और 34 वनडे में अंपायरिंग कर चुके हैं। सुदामा प्रीमियर लीग 'प्रसार' नाम के एक गैर सरकारी संगठन द्वारा आयोजित की जा रही है।

हमारा ध्यान एशियाई खेल और विश्व कप जीतने पर लगा है: मारिने

नयी दिल्ली। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के इस साल के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मुख्य कोच सोर्ड मारिने ने निगाहें एशियाई खेलों का खिताब बरकरार रखने पर लगायी हुई हैं ताकि खिलाड़ियों को 2020 तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के लिये काफी समय मिल सके। भारत को इस साल चार अहम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने हैं, जिसमें राष्ट्रमंडल खेल, चैम्पियंस ट्राफी, एशियाई खेल और सत्र के अंत में एफआईएच पुरूष विश्व कप के अलावा अजलन शाह कप शामिल हैं। लेकिन कोच के लिये एशियाई खेल और विश्व कप का खिताब जीतना उनका मुख्य एजेंडा है। मारिने ने कहा, ''मैं चाहता हूं कि टीम एशियाई खेल और विश्व कप खिताब जीते। अगर आप एशियाई खेल जीत जाओगे तो आप 2020 ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाली दुनिया की पहली टीम बन जाओगे। इससे आपके पास तैयारी के लिये पूरे दो साल का समय होगा और यह परफेक्ट होगा। हमारा लक्ष्य यही है।' उन्होंने कहा कि इससे अन्य टूर्नामेंट एशियाई खेल और विश्व कप जीतने के उनके लक्ष्य के लिये तैयारी के मंच के तौर पर काम करेंगे। मारिने ने कहा, ''लेकिन इस साल का प्रत्येक टूर्नामेंट काफी अहम है क्योंकि अन्य टूर्नामेंट हमारे लिये बड़े टूर्नामेंट की तैयारियों में मदद करेंगे। इसलिये हम प्रत्येक टूर्नामेंट को गंभीरता से ले रहे हैं।' उन्होंने कहा, ''चैम्पियंस ट्राफी को हम एशियाई खेलों की तैयारी के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका स्तर काफी ऊंचा है और यह हमारे लिये अच्छा है। अंतिम चैम्पियंस ट्राफी का हिस्सा होना सचमुच सम्मान की बात है।''

हॉकी : फिर होने जा रहा है भारत-पाक का रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चाहे क्रिकेट हो या हॉकी या फिर कोई और खेल, भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का रोमांच सबसे ज्यादा होता है। एक बार फिर भारत-पाक मैच के प्रेमियों को ये रोमांचक मैच देखने को मिलने वाला है। ये मौका होगा जब भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमें वर्ल्ड में एक दूसरे से भिड़ेंगी।

भारत में खेलने आएगी पाक टीम

दरअसल इस साल भुवनेश्वर (ओडिशा) में नवंबर और दिसंबर में हॉकी वर्ल्ड कप होना है। इस वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान की टीम भी शामिल होगी और फिर एक बार चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमों की भिड़ंत देखने को मिलेगी। इससे पहले साल 2010 में भारत में हॉकी का वर्ल्ड कप हुआ था। हॉकी के दिग्गजों का मानना है कि इस बार भारतीय टीम वर्ल्ड कप की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

आपको बता दें कि ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 28 नवंबर से 16 दिसंबर तक हॉकी विश्व कप टूनार्मेंट का आयोजन होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी। बता दें कि 2014 वर्ल्ड कप में 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। वर्ल्ड कप के लिए भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम का कायापलट किया जा रहा है। कायापलट का काम मई में पूरा हो जाएगा।

इस वर्ल्ड कप से पहले भारतीय हॉकी टीमों को नया प्रायोजक मिल गया है। ओडिशा सरकार अगले पांच साल के लिए सीनियर राष्ट्रीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों को प्रायोजित करेगी। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को हॉकी इंडिया (एचआई) के साथ हुए इस करार की घोषणा की।

इस मौके पर नवीन पटनायक ने कहा, 'हम इस साझेदारी से काफी खुश हैं। ओडिशा सरकार अगले पांच साल तक भारत की पुरुष और महिला टीमों को प्रायोजित करेगी। मैं आप सभी का विश्व कप के लिए स्वागत करता हूं।' इस मौके पर टीम की नई जर्सी भी जारी की गई, जिस पर ओडिशा सरकार का नया लोगो है। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरेंद्र बत्रा भी मौजूद थे।

नवीन ने कहा, 'ओडिशा में हॉकी एक खेल से ज्यादा है। यह जीवनशैली है। खासकर हमारे आदिवासी क्षेत्रों में जहां बच्चे हॉकी स्टिक से चलना सीखते हैं। इसीलिए ओडिशा ने भारत की सर्वश्रेष्ठ हॉकी प्रतिभाएं पेश की हैं। यह पहली बार हो रहा है कि एक राज्य सरकार न सिर्फ अपनी सीमा के अंदर एक खेल को बढ़ावा देगी बल्कि भारतीय हॉकी टीम को सहायता देगी और मेनटॉर करेगी। यह देश को ओडिशा का उपहार है।' नवीन ने कहा, 'हम चाहते हैं कि इस साझेदारी से भारत में हॉकी के खेल का विस्तार हो और यह सुनिश्चित हो कि भारत में लोग राष्ट्रीय खेल का भरपूर साथ दें। हम उम्मीद करते हैं कि नेशनल हॉकी के साथ ओडिशा का गठजोड़ इस खेल के लिए एक सुनहरा समय होगा।'

पंजाब नेशनल बैंक में घोटाले का मामला

सूरत में नीरव मोदी के ठिकानों पर ईडी का छापा

सूरत। पंजाब नेशनल बैंक में देश का सबसे बड़ा घोटाला सामने आया है। यह घोटाला करीब11,000 करोड़ से अधिक का माना जा रहा है। इस घोटाले में हीरा व्यापारी नीरव मोदी का नाम भी सामने आया है। घोटाला सामने आने के बाद नीरव मोदी के सूरत के ठिकानों पर भी ईडी द्वारा छापे की कार्रवाई की जा रही है।

ईडी ने पंजाब नेशनल बैंक में किए गए 280 करोड़ के घोटाला कांड के मामले में नीरव मोदी और अन्य के खिलाफ मनी लान्डरिंग का मामला दर्ज की है। इस केस की जांच सीबीआई को सौंपी गई है। इस मामले में सीबीआई ने नीरव मोदी, उनके भाई निसाल मोदी, पत्नी एमी और मेहुल चौकसी के घर छापा मारी है। ये सभी लोग डायमंड्स आर युएस, सोलर एक्सपोर्ट और स्टेलर डायमंड्स में भी हिस्सेदार हैं।

परिणय सूत्र में बंधे 25 दिव्यांग नवयुगल जोड़े

अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला व युवा शाखा की ओर से आयोजन

सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा व महिला शाखा की ओर से महा शिवरात्रि व वेलेन्टाइन डे के अवसर पर 14 फरवरी को 25 दिव्यांग नवयुगल जोड़े का सामूहिक विवाह महाराजा अग्रसेन भ्भवन के पंचवटी हॉल में कराया गया। विवाह में बंधने वाले जोड़े नवसारी, सोनगढ़, व्यारा सहित अन्य इलाके के थे। परिणय सूत्र में बंधने वाले दो युवक दिव्यांग खिलाड़ी हैं। ट्रस्ट की ओर से परिणय सूत्र में बंधने वाली दिव्यांग कन्याओं को गृहस्थी का सारा सामान उपहार में भ्देकर भींगी पलकों से विदाई की गई।

वराछा में मोबाइल छीनकर भाग रहे दो उचक्के पकड़ाए

सूरत। वराछा के मीनी बाजार के पास मोबाइल पर बात कर रही महिला के हाथ से बाइक पर सवार होकर आए दो उचक्के मोबाइल झपटकर भागने का प्रयास किए। उसी दौरान लोगों की मदद से दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

वराछा पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलत: बलभीपुर भावनगर की रहने वाली पायलबेन जूना जैन देरासर, शत्रुंजय अपार्टमेंट में रहने वाली अपनी बहन के यहां आई हैं। गत बुधवार को पायलबेन अपनी बहन के साथ वराछा की मीनी बाजार जेडी रेजीडेंसी के पास रोड पर मोबाइल से बात करती हुई जा रही थी। उसी समय बाइक पर आए दो उचक्के पायल की बहन के हाथ से मोबाइल झपटकर भागने लगे। लेकिन दोनों बहनों द्वारा शोरगुल करने पर स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। दोनों आरोपियों के नाम मनोद मणीलाल पटेल, मोहन नारायणभाई केवट (दोनों निवासी-अटलजी नगर एके रोड वराछा) है। लोगों ने पिटाई करने के बाद दोनों उचक्कों को पुलिस के हवाले कर दिया।

तीन बालकों के साथ सृष्टि के खिलाफ काम करने वाला मंदिर का पुजारी गिरफ्तार

संवाददाता, सूरत। शहर के नवसारी बाजार में स्थित एक मंदिर के पुजारी के खिलाफ तीन बालकों के साथ दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस पुजारी को गिरफ्तार कर जांच कर रही है। देर रात को तीनों बालकों और पुजारी की मोडिकल जांच करने के लिए अस्पताल ले जाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नवसारी बाजार गोपी तालाब के सामने स्थित मंदिर में पिछले 15 साल से आचार्य वीरमुनि शिवालय पांडे महाराज पुजारी के रूप में मंदिर की सेवा देते हैं। पुजारी ने गत रोज कुछ बालकों को चाकलेट और पतंग देने के लिए बुलाए और इसके बाद उन तीनों बालकों के साथ सृष्टि के विरुद्ध कृत्य किया। यह समग्र मामला सामने आने पर पुजारी के खिलाफ पुलिस में रिपौर्ट दर्ज कराई गई।

पुलिस ने पुजारी को गिरफ्फ्तार कर लिया है। पुलिस कार्रवाई करती हुई तीनों बालकों और पुजारी को मेडिकल जांच के लिए अस्पातल में लाई थी। इसके बाद फोरेंसिक जांच के लिए ले जाया जाएगा। बालकों ने बाताया कि हम लोगों के साथ 12 फ्वरी को गंदा काम पुजारी ने किया था।

वाहनों पर एचएसआरपी लगाने की अवधि 31 मार्च 2018 तक बढ़ाई गई

अहमदाबाद (ईएमएस)। राज्य के परिवहन आयुक्त ने वाहनों पर हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाने की अवधि में डेढ़ महीने की वृद्धि कर दी है। 31 मार्च 2018 तक सभी वाहनों पर एचएसआरपी लगवाई जा सकेगी। केन्द्रीय मोटर वाहन नियमों के प्रावधान के मुताबिक सभी वाहनों पर एचएसआरपी लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य में 16 नवंबर 2012 से एचएसआरपी लगाने की प्रक्रिया आरटीओ और एआरटीओ में की जा रही है। पहले पुराने वाहनों पर एचएसआरपी लगाने की अवधि 15 फरवरी 2018 तय की गई थी। आरटीओ और एआरटीओ में भीड़ और लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने एचएसआरपी लगाने की अवधि 31 मार्च 2018 तक बढ़ा दी है।

गुजरात की युवती ने अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धा में जीते 2 गोल्ड मेडल

अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडोनेशिया के जकार्ता में हुई 8वीं एशियन गेम्स टेस्ट इवेन्ट कोम्पिटिशन में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली दक्षणि गुजरात के डांग की कुमारी सरिता गायकवाड एक साथ दो गोल्ड मेडल जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। दक्षणि गुजरात के डांग जिले के 700 की आबादीवाले कराडीआंबा निवासी श्रमिक परिवार की पुत्री सरिता गायकवाड को डांग समेत गुजरातभर में राजधानी के रूप में जाना जाता है।

सरिता को उसके गत वर्ष के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 8वीं एशियन गेम्स टेस्ट इवेन्ट कोम्पिटिशन में अवसर मिला था। एथ्लेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से डांग की इस धावक को कोम्पिटिशन के लिए केरल में छह महीने का प्रशिक्षण दिया गया। सरिता गायकवाड अपने अंतर्राष्ट्रीय कोच अजीमोन के मार्गदर्शन के तहत इंडोनेशिया पहुंची और वहां 400 मीटर विघ्न दौड़ समेत 400/4 रीले के लिए भी चुनी गई।

जिसमें व्यक्तिगत 400 मीटर विघ्न दौड़ में सरिता गायकवाड ने 35 देश के धावकों को इस कैटेगरी में पीछे छोड़ दिया और 59.08 सेकन्ड में अपना लक्ष्य हासिल कर स्वर्ण पदक जीत लिया। सरिता गायकवाड का यह पहला अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक है।

जबकि उसकी ओर से भारत को भी पहला स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसी के साथ सरिता गायकवाड का इस केटेगरी में उनका बेस्ट टाइमिंग रिकार्ड भी दर्ज किया गया। इसके अलावा कोम्पिटिशन के अंतिम दिन यानि 14 फरवरी 2018 को सरिता गायकवाड ने 400/4 मीटर रले में भी बतौर इनफोर धावक भाग लिया। जिसमें उनके साथ कर्नाटक की नित्थ्या, कोलकाता की सोनिया और असम की हीमा ने जबर्दस्त प्रदर्शन कर भारत को गोल्ड मेडल दिलवाया। देश को दो दो स्वर्ण पदक दिलवाने वाली डांग जिले की आदिवासी परिवार की पुत्री सरिता की सफलता के ले राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत जिला के प्रभारी मंत्री रमणलाल पाटकर ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

अमरोली के युवक की जहर पीने से मौत

सूरत। अमरोली की रघुवीर सोसाइटी में रहने वाले युवक ने किसी आज्ञात कारणों से जहर पी लिया, उसके पिता इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोली की रघुवीर सोसाइटी राधेकृष्ण अपार्टमेंट में रहने वाले रामजीभाई सोवनिया के बेटे जयेश (27 वर्ष) ने बुधवार को ढाई बजे के करीब जहर पी लिया। जिसकी जानकारी पिता रामजीभाई को हुई तो वे जयेश को इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद जयेश को मृत घोषित कर दिया। जयेश ने ऐसा कदम क्यों उठाया। इस पर अभी रहस्य बना हुआ है। अमरोली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टेंपो कीटक्करसेडिंडोली की महिला की मौत

सूरत। कडोदरा रोड पर एक टेंपो चालक द्वारा बाइक सवार को चपेट में ले लेने से हुई दुर्घटना में बाइक पर सवार महिला की इलाज के दौरान स्मीमेर अस्पताल में मौत हो गई। पूणा पुलिस टेंपो चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली के रघुकुल नगर सोसाइटी भाग-1 घर नं. 41 में रहने वाले सुनील दुष्यंतसिंह राजपूत के चचेरे भाई वृजेश 13 फरवरी को अपनी भाभी को बाइक पर बैठाकर कडोदरा जा रहे थे। उसी समय कुंभारिया लेंड मार्केट के आगे पहुंचते ही आइसर टेंपो नं. डीएन-09-एच.. के चालक ने काबू गंवाकर टेंपो पलट दिया। जिससे हुई दुर्घटना में बाइक उसके नीचे दब गई और सुनील की भाभी को गंभीर चोट लगने से इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस उक्त टेंपो चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

चोटीला से सायला हाईवे पर पांच घंटे में चार सड़क हादसे

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस)। जिले के चोटीला सायला से नेशनल हाईवे पर पांच घंटे में चार सड़क हादसे की घटना हुई। हालांकि सभी हादसों में कोई जानहानि नहीं हुई। पुलिस ने सभी मामले दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक सुरेन्द्रनगर जिले के चोटीला से सायला की ओर पांच कि.मी. मरघीखडा बोर्ड निकट राजकोट से तेज गति से आ रही कार के चालक का स्टीयरींग पर से काबू हट गया और कार की रिक्शा से टक्कर हो गई। कार की टक्कर से कार पलट गई और रिक्शा सम्पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में रिक्शा चालक नवघणभाई रधुभाई जख्मी होने जाने पर उन्हें तत्काल चोटीला स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं दूसरी ओर सायला नेशनल हाईने पर लींबडी से चार किमी की दूरी पर जुनागढ से आ रही बस आगे जा रहे डम्पर के साथ धमाके के साथ टकरा गई। इस दौरान डम्पर के साथ अन्य ट्रक की भी टक्कर हो गई। इस त्रिपल हादसे में ट्रक चालक को पैर पर चोटे पहुंची। पुलिस ने घायल ट्रक चालक को सायला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने सभी मामले दर्ज कर जांच शुरु की है।

राशन कार्ड को आधार से जोड़ने का प्रह्लाद ने किया विरोध

अहमदाबाद (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद मोदी ने एक बार फिर राशन कार्ड को आधार के साथ जोड़ने का विरोध किया है। उनका कहना है कि राशन डीलरों को इससे तकलीफ हो रही है। लोगों को भी राशन के बिना खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

उन्होंने गुजरात सरकार को मांग नहीं मानने पर राशन की दुकानें ठप करने की चेतावनी दी है। गुजरात फेयर प्राइस शॉप एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रह्लाद मोदी ने इस मामले में राज्य के प्रशासनिक अमले को आड़े हाथों लिया है।

हिट एन्ड रन में युवक की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के जुहापुरा स्थित दरगाह रोड पर एक रिक्शा चालक ने एक युवक को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में युवक की गंभीर रुप से घायल होने पर घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद रिक्शा चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक अहमदाबाद शहर के वासणा क्षेत्र स्थित गुप्तानगर में पूनम बिरचा नामक युवक अपने परिवार के साथ रहता था। पूनम मजदूरी कर अपने परिवार का गुजरान चला रहा था। कल देर रात्रि को जुहापुरा क्षेत्र स्थित हाजी बावा की दरगाह निकट बस स्टैंड से पपूनम गुजर रहा था। इस दौरान तेज गति से गुजर रही एक रिक्शा ने पूनम को टक्कर मार दी। रिक्शा की टक्कर से पूनम उछलकर सड़क पर जा गिरा। इस हादसे में पूनम को सिर पर गंभीर चोट आई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान रिक्शा चालक रिक्शा छोड़कर फरार हो गया।

31 अक्टूबर को होगा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन!

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में बन रही दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन बीजेपी 31 अक्टूबर को करने पर विचार कर रही है। बता दें इस दिन देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन होता है। गुजरात के मुख्य सचिव जेएन सिंह ने कहा प्रतिमा 31 अक्टूबर को उद्घाटन के लिए तैयार है। सिंह ने मंगलवार को साइट का दौरा किया। उन्होंने कहा कि काम समय पर हो रहा है और 31 अक्टूबर को उद्घाटन होगा। वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा 182 मीटर ऊंची होगी। सरदार सरोवर बांध के 3 किमी के अंदर इसे बनाया जा रहा है। पर्यटकों को पहुंचाने के लिए पुल और बोट की व्यवस्था होगी। पीएम मोदी ने 2013 में प्रोजेक्ट की नींव रखी थी।

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्र और मामा-भांजे की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस)। कच्छ के मुंद्रा रोड पर टेलर और टेम्पो के बीच हुई दुर्घटना में पिता-पुत्र की मौत हो गई। वहीं राजकोट के गोंडल में निजी ट्रावेल्स कंपनी के बस की चपेट आए मामा-भांजे की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कच्छ जिले के मुंद्रा रोड पर कपाया गांव के निकट एयरपोर्ट की ओर जा रहे एक टेलर ने यात्रियों से भरे टेम्पो को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में 35 वर्षीय विनोद लखनपाल और उनके 4 वर्षीय पुत्र अनिल की गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि टेम्पो में सवार अन्य तीन लोग घायल हो गए। वहीं मन्नत पूरी करने राजकोट से पदयात्रा पर निकले मामा-भांजे की सड़क हादसे में मौत हो गई। राजकोट के पुनित पार्क निवासी 36 वर्षीय राजेश बाबूभाई गजेरा और सरदार वल्लभभाई सोसायटी निवासी 46 वर्षीय घनश्यामभाई वाटलिया मन्नत पूरी करने के लिए राजकोट से गोंडल की ओर पैदल जा रहे थे। उस वक्त सेमला गाम पाटिया के निकट निजी ट्रावेल्स कंपनी की एक बस ने मामा-भांजे को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर रूपसे घायल मामा-भांजे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

हत्या के आरोपी ने पुलिस कस्टडी में आत्महत्या कर ली

मेहसाणा (ईएमएस)। नाबालिग किशोर की हत्या केस में गिरफ्तार आरोपी के पुलिस लोकअप में आत्महत्या कर लेने की घटना से सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मेहसाणा जिले के बलोल गांव निवासी नील पटेल नामक 17 वर्षीय किशोर की गत 12 फरवरी को हत्या कर दी गई थी। हत्या के इस मामले में पुलिस ने कई संदिग्धों से पूछताछ की थी। जिसमें महेश पटेल नामक शख्स का खुलासा हुआ था। इस खुलासे के बाद पुलिसने 13 फरवरी को महेश पटेल को हिरासत में ले लिया और उससे पूछताछ शुरू कर दी। जिसमें महेश पटेल ने स्वीकार किया कि उसने ही नील पटेल की हत्या की थी। महेश पटेल ने हत्या में उपयोग किए गए चाकू के बारे में जानकारी पुलिस को दी। हांलाकि इस कबूलनामे के बाद महेश पटेल ने पुलिस लोकअप के टोइलेट में जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

दोदो बाइक की भिडंत में दोनो युवकों की मौत

सुरत (ईएमएस)। जिले के व्यारा रोड पर तेज गति से गुजर रही दो बाइक आमने सामने टकरा गई। इस हादसे में गंभीर रुप से घायल दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक जिले के व्यारा तहसील के बालपुर गांव निवासी रितेश अर्जुनभाई गामीत बाइक लेकर व्यारा जा रहे थे। इस दौरान सामने से कल्पेशभाई गामीत बाइक पर आ रहे थे।

गुजरात विधानसभा का डिप्टी स्पीकर पद विपक्ष ने कांग्रेस को देने की मांग

अहमदाबाद (ईएमएस)। विपक्ष के नेता परेश धानानी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर विधानसभा का डिप्टी.स्पीकर का पद विपक्ष को देने की मांग की। गुजरात विधानसभा विपक्ष नेता का चार्ज संभालने के बाद पहली बार कांग्रेस विधायक परेश धानानी ने आज सोमनाथ महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की। परेश धानानी ने सोमनाथ महादेव को जलाभिषेक कर पूजा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुजरात के जनता ने विधानसभा में विपक्ष पद पर जनादेश दिया है, हमने जनता की आवाज सदन में उठाने का संकल्प लिया है। साथ ही गुजरात विधानसभा के डिप्टी. स्पीकर मुद्दे पर भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि देश की संसदीय परंपरा के मुताबिक अध्यक्ष पद सत्तापक्ष को और उपाध्यक्ष पद विपक्ष को दिया जाता है। परंतु भाजपा सरकार ने यह परंपरा बंद कर दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस परंपरा को निभाने की विनती की है।

अगले महीने से फिर शुरू होगा पाटीदार आरक्षण आंदोलन

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद से खामोश हो चुका पाटीदार आरक्षण आंदोलन अगले महीने से पुन: शुरू होने की संभावना है। पाटीदार आरक्षण आदोलन समिति (पास) संयोजक हार्दिक पटेल ने जूनागढ़ में इसके संकेत दिए हैं। हार्दिक पटेल ने बताया कि अगले महीने से गुजरातभर में फिर एक बार युवा और किसानों की समस्याओं के साथ ही पाटीदार आरक्षण को लेकर जनजागृति यात्रा निकाली जाएगी। जूनागढ़ के गाठीला गांव में किसानों से मुलाकात के बाद हार्दिक पटेल ने इसका ऐलान किया। हार्दिक पटेल ने ट्वीट के जरिए भी अपने समर्थकों को आंदोलन की जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक आगामी दिनों में हार्दिक पटेल मध्य प्रदेश और राजस्थान की राजनीति में सक्रिय हो सकते हैं। दोनों राज्यों में हार्दिक पटेल भाजपा के खिलाफ प्रचार करेंगे। 19 फरवरी को हार्दिक पटेल भोपाल जानेवाले हैं और दोनों राज्यों के किसानों की समस्याओं को उठाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com